CCPS CENTER FOR CHEMICAL PROCESS SAFETY
An AIChE Industry Technology Alliance

क्रियाओं में बचाव का
आकाशदीप

http://www.aiche.org/CCPS/Publications/Beacon/index.aspx

निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों के लिये संदेश

CCPS के समर्थकों द्वारा प्रायोजित

प्रक्रिया-सुरक्षा संस्कृति

जून 2007

जनवरी 1986, चैलेंजर अंतरिक्ष-यान में उड़ान भरते समय विस्फ़ोट हुआ

फरवरी 2003, *कोलंबिया* अंतरिक्ष-यान धरती के वातावरण में पुनः प्रवेश करते समय टूट गया

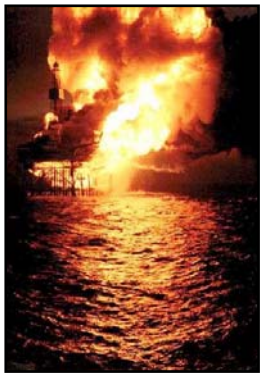

जुलाई 1988, पाइपर अल्फा कच्चे-तेल का प्लेटफ़ॉर्म आग व विस्फोट से नष्ट हो गया

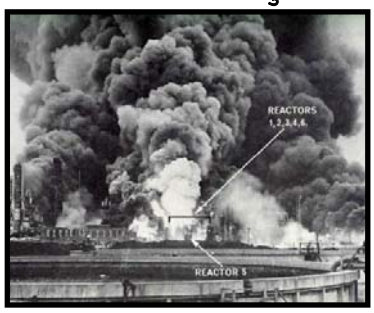

जून 1974, फ़्लिक्सबोरो, इंग्लैंड के रासायनिक संयंत्र में विस्फ़ोट

मार्च 2005, टैक्सास शहर, टैक्सास के तेलशोधक कारखाने (रिफ़ाइनरी) में विस्फ़ोट

जटिल तकनीकी यंत्रों की बड़ी खराबियों के कारण घटित होने वाली इन सभी घटनाओं में क्या समानता थी? इन सभी घटनाओं की जाँच के दौरान यह पाया गया कि संस्थान की "सुरक्षा-संस्कृति" की समस्याएं इनके घटने का एक मुख्य कारण थीं। परंतु "सुरक्षा-संस्कृति" (safety culture) क्या है? ब्रिटेन के स्वास्थ्य व सुरक्षा अधिकारी सुरक्षा-संस्कृति की व्याख्या करते हुए कहते हैं कि "... यह एक व्यक्तिगत व सामूहिक मूल्यों, नज़रियों, कौशल और व्यवहार का नतीजा है जो कि एक संस्थान की स्वास्थ्य व सुरक्षा कार्यक्रमों की कार्यशैली व प्रवीणता और इनके प्रति संस्थान का उत्तरदायित्व निश्चित करती है।" यह बहुत ही जटिल लगता है, और सी सी पी एस (CCPS) ने इसकी एक सरल व्याख्या की है: "सुरक्षा-संस्कृति का अर्थ है कि जब एक संस्थान पर किसी की नज़र नहीं होती उस समय उसका व्यवहार कैसा होता है।" हालांकि संस्थान में अच्छी सुरक्षा-संस्कृति स्थापित करने में प्रबंधन की मुख्य नेतृत्व करने की भूमिका है, तथापि इसमें सबका योगदान होना आवश्यक है। इस आकाशदीप में हम सुरक्षा-संस्कृति के एक महत्त्वपूर्ण पहलू - ***एक संवेदनशीलता की भावना कैसे बनाये रखें*** - पर ध्यान देंगे और अन्य पहलुओं पर हम भविष्य में छपने वाले अंकों में चर्चा करेंगे।

चूंकि गंभीर दुर्घटनायें होना आम बात नहीं हैं, इसलिये हम आसानी से यह मान लेते हैं कि कुछ भी बुरा नहीं हो सकता। लोगों में आत्मतुष्टि की भावना उत्पन्न हो सकती है और उनमें सुरक्षा की एक झूठी भावना रहती है। अच्छे कार्यों में सिद्धांतों का पालन करने में कमी आ सकती है। हो सकता है कि ज़रूरी सुरक्षा तंत्रों व प्रक्रियाओं को जारी न रखा जाये, या उनके संभावित नतीजों की सही समझ के बिना ही उन्हें बदल दिया जाये। गंभीर घटनाओं को घटने से रोकने के लिये ख़तरनाक गतिविधियों के संभावित विपत्तिकारक नतीजों पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता है।

आप क्या कर सकते हैं ?

•अपने संयंत्र में वस्तुओं व प्रक्रियाओं से संबंधित खतरों के प्रति सजग रहें।

• क्या गड़बड़ हो सकती है, यह याद रखने के लिये "बाल-बाल बचे" वाली घटनाओं को पहचानें।

• अन्य सेवाओं में होने वाली घटनाओं, जैसे कि वे घटनायें जिनके बारे में आकाशदीप में बताया जाता है, का प्रयोग कर स्वयं को अपने संयंत्र में इस प्रकार की घटनाओं के होने की संभावना के विषय में याद दिलाते रहें।

• सदा सुरक्षित कार्य-सीमा के अंदर रहकर कार्य करें, और कार्य करने की प्रक्रिया स्थापित करें। जब ऐसा संभव न हो तो तुरंत अपने सुपरवाइज़र को सूचित करें।

• पूर्वनिर्धारित प्रक्रियाओं में बदलाव लाने की अनुमति देने के लिये जोखिम-निर्धारण और जानकार प्राधिकारियों सहित उन प्रक्रियाओं का प्रयोग करें जिन्हें स्वीकृति दी जा चुकी हो।

अच्छी सुरक्षा संस्कृति सब पर निर्भर करती है!

AIChE © 2007. सर्वाधिकार सुरक्षित। अव्यवसायिक व शिक्षा संबंधी कार्य के लिए पुनः जारी करने को बढ़ावा दिया जाता है। तथापि CCPS के अलावा किसी अन्य संस्था या व्यक्ति द्वारा बिक्री के लिए पुनः छापने पर प्रतिबंध है। हमसे संपर्क करें: ccps_beacon@aiche.org या 212-591-7319

सामान्यतयाः यह आकाशदीप चीनी, डैनिश, डच, अंग्रेज़ी, फ़्राँसीसी, जर्मन, गुजराती, हीब्रू, हिंदी, इतालवी, जापानी, कोरियन, मलय, फ़ारसी, पुर्तगाली, स्पैनिश, स्वीडिश और थाई भाषाओं में उपलब्ध है।

This document has been translated with the help of Chilworth Safety & Risk Management P. Ltd., India:www.chilworth.co.in